web: www.nyaysakshi.com | पृष्ठ-2 में पढ़ें संपादकीय-खेल-व्यापार-धर्म-खाना खजाना-राशिफल | पृष्ठ-3 में पढ़ें छत्तीसगढ़-प्रादेशिक

दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, सोमवार 11 सितंबर 2023 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-05, अंक- 343

जी20 समिट : जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए यूके की सबसे बड़ी फंडिंग, दो अरब डॉलर की सहायता की घोषणा

नई दिल्ली (आरएनएस)। दुनिया को जलवायु परिवर्तन से निपटने में मदद करने के लिए ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ने जी20 शिखर सम्मेलन के दूसरे दिन ग्रीन क्लाइमेट फंड में 2 बिलियन डॉलर के योगदान की घोषणा की। यह वैश्विक स्तर पर जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए यूके की सबसे बड़ी फंडिंग है। भारत में ब्रिटिश उच्चायोग ने एक बयान में कहा, भारत में जी20 नेताओं की एक सभा आज (रविवार) समाप्त हो रही है। प्रधानमंत्री ने दुनिया पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को कम करने के लिए 2 बिलियन डॉलर के सबसे बड़े वित्तीय योगदान की घोषणा की है।

इसमें कहा गया है: यूनाइटेड किंगडम ग्रीन क्लाइमेट फंड (जीसीएफ) में 1.62 बिलियन डॉलर (2 बिलियन डॉलर) का योगदान देगा, जिसे सीओपी15 में कोपेनहेगन समझौते के बाद 194 देशों द्वारा स्थापित किया गया था।

बयान में कहा गया है कि जीसीएफ वैश्विक उत्सर्जन को कम करने और समुदायों को जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के अनुकूल होने में मदद करने और विकासशील देशों का समर्थन करने के लिए यह सबसे बड़ी वैश्विक सहायता है।

इसमें आगे कहा गया कि आज की घोषणा 2020-2023 की अवधि के लिए जीसीएफ में यूके के पिछले योगदान पर 12.7 प्रतिशत की वृद्धि का प्रतिनिधित्व करती है। जो 2014 की शुरुआती फंडिंग से दोगुनी है।

ब्रिटिश उच्चायोग ने कहा कि जी20 शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री ने नेताओं से इस दिसंबर में सीओपी28 शिखर सम्मेलन से पहले देशों के कार्बन उत्सर्जन को कम करने और जलवायु परिवर्तन के परिणामों से निपटने को लेकर कमजोर अर्थव्यवस्थाओं का समर्थन करने के लिए मिलकर काम करने का आह्वान किया है।

बयान के अनुसार, जी20 नेताओं को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, यूके आगे बढ़ रहा है और अपनी अर्थव्यवस्था को डीकार्बोनाइज कर और जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से निपटने के लिए दुनिया के सबसे कमजोर लोगों का समर्थन कर अपनी जलवायु प्रतिबद्धताओं को पूरा कर रहा है।

पीएम सुनक ने कहा, यह उस तरह का नेतृत्व है जिसकी दुनिया जी20 देशों से उम्मीद करती है, और यह सरकार यूके और दुनिया को और अधिक समृद्ध और सुरक्षित बनाने में उदाहरण पेश करती रहेगी।

उन्होंने यह भी कहा कि यूके ने विकासशील देशों को जलवायु परिवर्तन से निपटने में मदद करने के लिए अंतरराष्ट्रीय प्रयासों का नेतृत्व किया है, जिसमें 2021 और 2026 के बीच अंतरराष्ट्रीय जलवायु वित्त पर 11.6 बिलियन पाउंड खर्च करने का वादा भी शामिल है।

इसमें कहा गया है, आज की घोषणा इस प्रतिबद्धता की दिशा में एक बड़ा योगदान दर्शाती है। यह 'सीओपी 27' में जलवायु अनुकूलन के लिए हमारी फंडिंग को तीन गुना कर देगा।

इसमें यह भी कहा गया है कि 2011 के बाद से यूके के जलवायु सहायता खर्च ने 95 मिलियन से अधिक लोगों को जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से निपटने में मदद की है और 68 मिलियन टन से अधिक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम किया है।

बयान में कहा गया है, यह यूके के घरेलू नेतृत्व द्वारा ऊर्जा के स्वच्छ रूपों में परिवर्तन के साथ-साथ चलता है। यूके ने किसी भी अन्य जी7 देश की तुलना में उत्सर्जन में तेजी से कटौती की है, कम कार्बन स्रोत अब हमारी आधे से अधिक बिजली के लिए जिम्मेदार हैं।

हमने देखा कि नवीकरणीय ऊर्जा ने 2023 के पहले तीन महीनों में यूके की बिजली का रिकॉर्ड 47.84 प्रतिशत उत्पादन किया और पवन, सौर और पनबिजली से उत्पादन पिछले साल रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गया। पिछले साल, हमने अपतटीय पवन की स्थापना में अब तक की सबसे बड़ी वृद्धि देखी। ब्रिटेन में दुनिया के चार सबसे बड़े कार्यशील पवन फार्म हैं।

आगे कहा गया, जीसीएफ में यूके के योगदान से इस वृद्धि के साथ-साथ उम्मीद है कि हम फिर से फंड के सबसे बड़े दानदाताओं में से एक बन जाएंगे, यूके सरकार जीसीएफ के महत्व पर जोर देना जारी रखेगी, जिससे अधिक गति के साथ परिणाम मिलेंगे। इसमें जीसीएफ से कम विकसित देशों और छोटे द्वीप विकासशील राज्यों के लिए अपनी डिलीवरी में सुधार करने के लिए कहना शामिल है, जो जलवायु परिवर्तन के प्रति सबसे अधिक संवेदनशील हैं।

इससे पहले दिन में पीएम सुनक ने अपनी पत्नी अक्षता मूर्ति के साथ अक्षरधाम मंदिर का दौरा किया और फिर राजघाट जाकर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी। विश्व नेताओं ने एक मिनट का मौन रखा और राजघाट पर पुष्पांजलि अर्पित की। रविवार को दुनिया भर के नेता 'वन फ्यूचर' पर चर्चा करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को कई देशों के साथ द्विपक्षीय वार्ता भी करेंगे।

महत्वपूर्ण एवं खास

चंद्रबाबू नायडू को 22 सितंबर तक न्यायिक हिरासत में भेजा

विजयवाड़ा (आरएनएस)। आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा की एक अदालत ने रविवार को कौशल विकास निगम घोटाला मामले में टीडीपी सुप्रीमो और आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू को 22 सितंबर तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया। लंबी बहस और दिन भर के तनाव के बाद एसीबी कोर्ट ने फैसला सुनाया। तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) सुप्रीमो, जिन्हें शनिवार सुबह सीआईडी ने गिरफ्तार किया था, को राजमुंदरी सेंट्रल जेल में स्थानांतरित किए जाने की संभावना है। अदालत का आदेश टीडीपी के लिए एक बड़ा झटका है, जिसके नेता अनुकूल फैसले की उम्मीद कर रहे थे। कोर्ट के आदेश के तुरंत बाद नायडू के वकीलों ने जमानत याचिका दायर की। यह फिलहाल स्पष्ट नहीं था कि याचिका पर तुरंत सुनवाई होगी या नहीं। सुबह करीब छह बजे शुरू हुई बहस करीब छह घंटे तक जारी रही। जहां अभियोजन पक्ष ने नायडू की 15 दिन की न्यायिक हिरासत की मांग की, वहीं टीडीपी नेता के वकील ने इसका विरोध किया।

तुर्की में 3 हजार फीट नीचे फंसे गुफा शोधकर्ता, बाहर निकालने के लिए प्रयास जारी

अंकारा। न्यूयॉर्क के एक गुफा (केव) शोधकर्ता को तुर्की में बचाने के प्रयास जारी हैं, जो 3,000 फीट नीचे फंसे हुए हैं। मार्क डिकी एक अनुभवी कैवर और न्यू जर्सी प्रारंभिक प्रतिक्रिया टीम के प्रमुख हैं जो आमतौर पर दूसरों को बचाते हैं, बीमार पड़ गए। जिसके बाद 170 से अधिक बचावकर्मियों की एक अंतरराष्ट्रीय टीम ने उनकी सहायता के लिए तुर्की की तीसरी सबसे गहरी गुफा में एक मेडिकल रिले प्रणाली स्थापित की है। मार्क डिकी गुफा में मैपिंग अभियान के दौरान गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल रक्तस्राव से पीड़ित हो गए थे। एएफएडी में खोज और बचाव विभाग के प्रमुख रेसेप साल्सी ने कहा, 'जैसे ही हमें मेडिकल टीम से हरी झंडी मिलेगी, हम निकासी शुरू कर देंगे।' एबीसी न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, एजेंसी के एक क्षेत्रीय अधिकारी सेनक यिल्डिज़ ने कहा कि यह एक कठिन ऑपरेशन है। एक स्वस्थ व्यक्ति को बाहर आने में 16 घंटे लगेंगे। न्यू जर्सी स्थित गुफा बचाव समूह ने कहा कि उन्हें आईवी तरल पदार्थ और कम से कम चार लीटर रक्त दिया गया। इसके बाद से उन्होंने उल्टी करना बंद कर दिया और यहां तक कि खाना भी खाने लगे।

खैबर पख्तूनख्वा में आतंकवादियों के साथ मुठभेड़, एक सैनिक की मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच गोलीबारी में एक सैनिक की मौत हो गई। सेना ने एक बयान में यह जानकारी दी है। पाकिस्तान की सेना की मीडिया शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने जारी एक बयान में कहा कि सुरक्षा बलों के उत्तरी वजीरिस्तान जिले के मीर अली इलाके में चलाये गये अभियान के दौरान यह घटना हुई। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में आतंकवाद के खात्मे के लिए यह अभियान चलाया जा रहा है।

इसरो के आदित्य-एल1 ने सूर्य की तरफ बढ़ाया अहम कदम, तीसरी कक्षा में किया प्रवेश

चेन्नई (आरएनएस)। सूर्य अध्ययन के लिए भेजे गये भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के पहले सौर खोजी मिशन आदित्य-एल1 ने सफलतापूर्वक तीसरी कक्षा में प्रवेश कर लिया है। इसरो ने बताया कि रविवार तडक़े 0230 बजे इसरो टेलीमेट्री, ट्रैकिंग और कमांड नेटवर्क (आईएसटीआरएसी) ने आदित्य एल 1 सफलतापूर्वक अगली कक्ष में पहुंचाया।

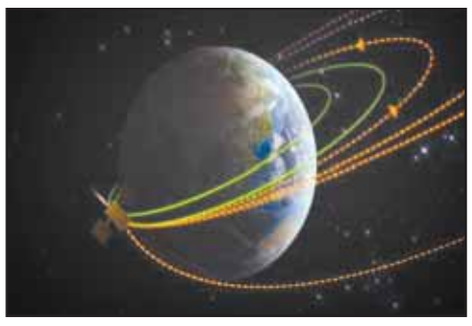

अभियान के दौरान मॉरीशस, बेंगलुरु, एसडीएससी-शार और पोर्ट ब्लेयर में इसरो के ग्राउंड स्टेशनों ने उपग्रह पर नजर बनाये रखी गई। उन्होंने बताया कि नयी कक्ष 296 किमी गुणा 71767 किलोमीटर है। अगली चौथी कक्ष में प्रवेश के लिए 15 सितंबर तडक़े दो का समय निर्धारित किया गया है।

उल्लेखनीय है कि भारत ने दो सितम्बर को अपने पहले सूर्य मिशन आदित्य एल1 को सूर्य और अंतरिक्ष के अध्ययन के लिए प्रक्षेपित किया था। यह सूर्य मिशन पृथ्वी के सबसे नज़दीक इस तारे की निगरानी करेगी और सोलर विंड जैसे अंतरिक्ष के मौसम की विशेषताओं का अध्ययन करेगा।

साहिबाबाद में फैक्ट्री में लगी भीषण आग : कई दमकलकर्मी झुलसे, 15 घंटे की मशक्कत के बाद बुझाई गई आग

नई दिल्ली (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद जिले के साहिबाबाद औद्योगिक क्षेत्र में एक फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। इस आग को बुझाने में मौके पर 27 दमकल गाडिय़ां पहुंची। 15 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया सका। इस दौरान कई दमकलकर्मी झुलस गए। घटना में कोई जानमाल का नुकसान नहीं हुआ है।

जानकारी के मुताबिक, साहिबाबाद फायर स्टेशन को बीती शाम करीब 5 बजे घटना की सूचना मिली। फोन करने वाले ने साइट-4, पैसिफिक मॉल के पास एसआरसी इम्पेक्स में भीषण आग लगने की सूचना दी।

एक अग्निशमन अधिकारी ने कहा, मौके पर पहुंचने पर, दमकलकर्मियों ने देखा कि आग भीषण थी, उसकी लपटें फैल रही थीं और धुएं का गुब्बार बना हुआ था। बचाव अभियान के लिए तुरंत अतिरिक्त सहायता का अनुरोध किया गया।

इसके बाद, विभिन्न अग्निशमन केंद्रों से कुल 27 अग्निशमन गाडिय़ों को घटनास्थल पर भेजा गया। कोतवाली से पांच दमकल गाडिय़ां भेजी गईं और बाकी मोदीनगर, हापुड, मेरठ और नोएडा से बुलाई गईं।

फैक्ट्री का ऊपरी हिस्सा जहां आग लगी थी, ढह गया, जिससे दमकलकर्मियों का काम मुश्किल हो गया।

अधिकारी ने कहा, आग ने बगल की दो फैक्ट्रियों एसवीएल सेंटक और जेपीवीडीएस को भी अपनी चपेट में ले लिया। इन फैक्टरियों में बेसमेंट होने के चलते धुआं फैल गया, जिससे बचाव कार्य और भी मुश्किल हो गया। हालांकि, हम एग्जॉस्ट सिस्टम के माध्यम से धुएं पर काबू पाने में कामयाब रहे और 15 घंटे के बाद आखिरकार आग पर काबू पा लिया गया। अधिकारियों ने बताया कि बचाव अभियान के दौरान कई अग्निशमन कर्मी झुलस गए।

सीबीएसई बोर्ड परीक्षा पैटर्न में होंगे बदलाव

❐ नए सैंपल पेपर से मिलेगी जानकारी

नई दिल्ली (आरएनएस)। सीबीएसई की बोर्ड परीक्षा पैटर्न में कई महत्वपूर्ण बदलाव देखने को मिल सकते हैं। सीबीएसई ने यह बदलाव अगले वर्ष 2024 में होने वाली बोर्ड परीक्षाओं में करने का फैसला किया है। छात्रों को बदलाव के बारे में समझाने के लिए बकायदा नए सैम्पल पेपर भी रिलीज कर दिए गए हैं।

एक्सपर्ट के मुताबिक, जो छात्र अगले वर्ष बोर्ड परीक्षा में शामिल होने जा रहे हैं, वे छात्र जारी किए गए इन सैम्पल पेपर्स की मदद से इन बदलावों को जान सकते हैं। सीबीएसई के यह सैंपल पेपर छात्रों को अभी से जानकारी देंगे कि

आने वाली परीक्षा में किस प्रकार के सवाल पूछे जाएंगे। प्रश्नों के अलावा छात्रों को यह भी पता लग सकेगा की परीक्षा में किस प्रकार की मार्किंग रहेगी।

सीबीएसई ने अपने यह नए सैंपल पेपर आधिकारिक वेबसाइट पर जारी किए हैं। बोर्ड परीक्षा में सबसे बड़ा बदलाव यह है कि अब 50 प्रतिशत सवाल कंपीटेंसी बेस्ड होंगे। वर्ष 20 24 में बोर्ड परीक्षा देने वाले छात्र सीबीएसई की आधिकारिक वेबसाइट से इन सैंपल पेपर का पीडीएफ डाउनलोड कर सकते हैं। वर्ष 20 24 से लागू होने वाले सीबीएसई परीक्षा में एनालिटिकल, कॉन्सेप्ट बेस्ड सवाल ज्यादा आएंगे।

विशेषज्ञों के मुताबिक, इसके अलावा एमसीक्यू, शॉर्ट आंसर्स सभी में सवालों की वेरायटी यही रहेगी। तकरीबन 50 प्रतिशत सवाल एमसीक्यू, और एक से दो मार्क्स के रूप में बदल दिए गए हैं। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के मुताबिक, अब बोर्ड परीक्षाओं का उद्देश्य छात्रों में विषयों की समझ का मूल्यांकन करना होगा। विशेषज्ञों का मानना है कि इस नई पद्धति से कोचिंग और याद रखने की आवश्यकता में कमी आएगी।

केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने बताया कि बोर्ड परीक्षाओं के अलावा स्कूली शिक्षा पद्धति में और भी कई महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं। इन बदलावों के अंतर्गत11वीं और 12वीं कक्षा में पढ़ाई के दौरान विषयों का चयन सीमित नहीं रहेगा। आने वाले दिनों में छात्रों को 11वीं और 12वीं कक्षा में अपनी पसंद के विषय चुनने की सुविधा मिलेगी।

केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के मुताबिक, कक्षा 11 और 12 के छात्रों को कम से कम दो भाषाएं पढऩी होंगी। मंत्रालय का कहना है कि 11वीं और 12वीं कक्षा में पढ़ाई जाने वाली इन भाषाओं में से एक भारतीय भाषा होनी चाहिए।

मोरक्को में भीषण भूकंप में मरने वालों की संख्या पहुंची 2 हजार के पार, 3 दिन का शोक घोषित

मोरक्को । मोरक्को में रात आए तेज भूकंप में जान-माल का काफी नुकसान हुआ है। भूकंप से मरने वालों की संख्या दो हजार से अधिक बताई जा रही है। वहीं हजारों लोग घायल हैं। मोरक्को के गृह मंत्रालय से मिली जानकारी के मुताबिक, भूकंप में मरने वालों की संख्या 2012 और घायलों की संख्या 2059 है। मोरक्को की सरकार ने भूकंप से हुई तबाही को देखते हुए तीन दिन के राष्ट्रीय शोक की घोषणा की है। यह क्षेत्र में 1960 के बाद आया सबसे विनाशकारी भूकंप है।

यूएस जियोलॉजिकल सर्वे के मुताबिक, मोरक्को में रात 11 बजकर 11 मिनट पर भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। इसकी गहराई 18।5 किमी थी। भूकंप का केंद्र मराकेश से लगभग 70 किमी दक्षिण पश्चिम में अल हौज प्रांत के इघिल शहर के पास था। सबसे ज्यादा नुकसान भूकंप के केंद्र बिंदु के नजदीक स्थित मराकश शहर में हुआ है। वहां पर ज्यादातर इमारतें ध्वस्त हो गई हैं। भूकंप के समय लोग घरों में सो रहे थे, इसलिए मृतकों की संख्या ज्यादा होने की आशंका है। बर्बाद हुई इमारतों में बड़ी संख्या में लोगों के फंसे होने की आशंका है।

वहीं, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जी-20 बैठक के पहले दिन मोरक्को में आए भूकंप में मारे गए लोगों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की और अफ्रीकी देश को पूरी मदद का भरोसा दिया। उन्होंने कहा कि भारत इस मुश्किल समय में मोरक्को की हर संभव मदद के लिए तैयार है। वहां की सरकार से संपर्क कर जल्द ही वहां सहायता सामग्री भेजी जाएगी।

जी-20 में आई फर्स्ट लेडी को बस्तर की महिलाओं की ओर से मिलेट का उपहार

❐ फर्स्ट लेडी ने बस्तर की महिला किसानों के मिलेट से बने लड्डू का लिया स्वाद

❐ महिलाओं ने बस्तर आने का दिया निमंत्रण

रायपुर (आरएनएस)। बस्तर का मिलेट विशेषकर रागी से बने लड्डू जी-20 में आये राष्ट्राध्यक्षों और उनकी पत्नी को काफ़ी भाया। अवसर था जी-20 देशों में भाग लेने वाले प्रमुखों की प्रथम महिलाओं और जीवनसाथियों को 9 सितंबर को पूसा रोड पर आईएआरआई परिसर में एक कृषि प्रदर्शनी के लिए विशेष निमंत्रण दिया गया।

छत्तीसगढ़ के बस्तर से आयी महिलाओं ने मिलेट से बनने वाले पकवानों पर विशेष तैयारियां की थी। बस्तर ज़िले के बास्तानर ब्लॉक से आयी संगीता कश्यप ने बताया कि उन्होंने मिलेट के लड्डू, रागी कुकीज़, रागी चकली, कोदो-कुटकी आदि मिलेट से तैयार होने वाले पकवान बनाए थे। 'ऑस्ट्रेलिया की फ़र्स्ट लेडी को उन्होंने मिलेट से बनाए पकवानों की टोकरी उपहार में दी। 'फ़र्स्ट लेडी को बस्तर की महिलाओं ने बस्तर आने का निमंत्रण भी दिया। महिलाओं के साथ आयी 'छत्तीसगढ़ कृषि विभाग की नोडल अधिकारी रुक्मणी कोट्टम ने बताया कि पूसा में छत्तीसगढ़ कृषि विभाग द्वारा स्टाल भी लगाया गया था'। विभाग की ओर से स्टाल में बांस से बने उत्पाद जैसे सूपा, टुकनी, टोकरी, तुमा, छतरी के साथ-साथ मिलेट से बने उत्पाद भी रखें। जो कि यहाँ आने वाले आगंतुकों को काफ़ी पसंद आए। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ की ढोकराकला और नैचुरल डाई से बने कोसा के स्टॉल भी आगंतुकों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र थे।

कांकेर के दुर्गकोन्दल ब्लॉक के गोटुल मुंडा गाँव के महिला समूह की निर्मला भास्कर ने बताया कि उन्होंने न्यूज़ीलैंड की फ़र्स्ट लेडी को मिलेट का बास्केट उपहार में दिया। इस बास्केट में छत्तीसगढ़ की महिला समूह द्वारा तैयार मिलेट उत्पाद थे। फ़र्स्ट लेडी ने उनके साथ सेल्फ़ी भी ली। उन्होंने कहा कि वे इसे अपने घर ले जायेंगी और अपने परिवार के साथ शेयर करेंगी। निर्मला भास्कर ने कहा कि यह यादगार पल था जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकता है।